दूरस्थ शिक्षा के विषयों की जानकारी दी

पिथौरागढ़। उत्तराखंड विश्वविद्यालय के घर-घर शिक्षा पहुंचाने के अभियान के तहत मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने बुधवार को एलएसएम पीजी कॉलेज पिथौरागढ़ में विद्यार्थियों के बीच जाकर प्रचार प्रसार किया। इसके अलावा निजी शिक्षण संस्थानों में भी विश्वविद्यालय की ओर से संचालित विषयों की जानकारी दी गई।

प्रचार कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के राजेंद्र सिंह क्वीरा, डॉ.कमल देवलाल और डॉ.श्याम सिंह कुंजवाल ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को यूओयू के कोर्सेज की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी विद्यार्थी रेगुलर कोर्स के साथ यूओयू से डिप्लोमा या सर्टीफिकेट कोर्स कर सकता है। यूओयू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली आज के समय में नौकरीपेशा लोगों के लिए बहुत कारगर साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओपीएस नेगी की ओर से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक दूरस्थ शिक्षा का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यूओयू की टीम ने कई निजी संस्थानों में भी दूरस्थ कोर्सों की जानकारी दी। इसके अलावा टीम के सदस्यों ने मुनस्यारी, थल, मुवानी, नाचनी, तेजम और डीडीहाट आदि क्षेत्रों में जाकर दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से जुड़कर लाभ उठाने का आह्वान किया। ब्यूरो

उच्च शिक्षा से वंचितों के लिए कारगर है यूओयू

पिथौरागढ़ में छात्र-छात्राओं को जानकारी देती यूओयू की टीम।

पिथौरागढ़/एसएनबी। घर-घर शिक्षा पहुंचाने के अभियान के तहत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने बुधवार को एलएसएम पीजी कॉलेज में छात्रों के बीच विवि की शिक्षण व्यवस्था का व्यापक रूप से प्रचार किया। इसके साथ ही जिला मुख्यालय और आसपास के विभिन्न इलाकों में जाकर विश्वविद्यालय के कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

प्रचार कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक राजेंद्र सिंह, डा. कमल देवलाल व डा.श्याम सिंह कुंजवाल ने पिथौरागढ़ पीजी कॉलेज के विभिन्न संकायों में जाकर विद्यार्थियों को यूओयू में संचालित विभिन्न कोर्सों के बारे में बताया और छात्रों की संकाओं का समाधान किया। बताया कि कोई भी विद्यार्थी रेग्युलर कोर्स के साथ यूओयू से डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकता है। आज के समय में उत्तराखंड मुक्त विवि की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली नौकरीपेशा लोगों के लिए भी बहुत कारगर सिद्ध हो रही है। उच्च शिक्षा से वंचित लोग इससे शिक्षा प्राप्त कर लाभ उठा रहे हैं।

शिक्षकों ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओपीएस नेगी उत्तराखंड में दूरस्थ स्थानों तक मुक्त विश्वविद्यालय को ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले यूओयू की टीम ने मुनस्यारी, थल, मुवानी, कालामुनि तेजम व डीडीहाट में जाकर दूरस्थ शिक्षा के कोर्सों की जानकारी देकर इसका लाभ उठाने की अपील की।

यूओयू के विषयों के प्रचार प्रसार पर विशेष जोर

कालाढूंगी। यूओयू के प्रचार प्रसार कार्यक्रम के तहत विवि की टीम ने गुरुवार को कोटाबाग डिग्री कॉलेज, स्यात, कालाढूंगी, बसानी में कोर्सों/विषयों का प्रचार किया। टीम ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों के कारण जो लोग समय पर शिक्षा नहीं ले पाए उनको शिक्षा का विशेष अवसर दिया जा रहा है।

यूओयू से संचालित कोर्सों की दी जानकारी

अल्मोड़ा | हमारे संवाददाता

एसएसजे परिसर में यूओयू की टीम ने छात्रों को विभिन्न कोर्सों की जानकारी दी।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय घर-घर शिक्षा पहुंचाने के अभियान के तहत शनिवार को यूओयू की टीम ने एसएसजे परिसर में विद्यार्थियों के बीच जाकर व्यापक रूप से प्रचार किया। इस दौरान यूओयू की टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भी जाकर लोगों को विश्वविद्यालय से संचालित विभिन्न कोर्सों की जानकारी दी गई।

प्रचार कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक राजेंद्र सिंह, डा. कमल देवलाल, डा. श्यामल सिंह कुंजवाल ने एसएसजे परिसर के विभिन्न संकायों में जाकर छात्र-छात्राओं को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय यूओयू के कोर्सों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बागेश्वर। महाविद्यालय में सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के कोर्सों की जानकारी दी गई। टीम में शामिल राजेंद्र सिंह क्वीरा, डॉ. कमल देवलाल, डॉ. श्याम कुंजवाल ने बताया कि प्रदेश में यूओयू के 98 अध्ययन केंद्र हैं। यूओयू में उच्च शिक्षा के लिए प्रमाणपत्र, डिग्री, डिप्लोमा समेत सभी स्तरों के पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं। कुमाऊं विश्वविद्यालय के जिन महाविद्यालयों में पीजी के कोर्स नहीं चलते, वहां इनकी विशेष उपयोगिता है। इनके लिए 24 अगस्त तक ऑनलाइन, ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है। ब्यूरो

सुदूर क्षेत्रों तक होगी दूरस्थ शिक्षा की पहुंच : राजेंद्र

संस, अल्मोड़ा : पर्वतीय जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों तक दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा की अलख जगाई जा सके। इसके लिए उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय वहां तक पहुंच बनाने का प्रयास कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित राजकीय महाविद्यालयों के माध्यम से विवि के पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जिसका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं के साथ साथ नौकरी पेशा लोग भी अपनी शिक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए ले सकते हैं।

उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के घर घर शिक्षा अभियान के तहत एसएसजे परिसर में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए विवि के शिक्षक राजेंद्र सिंह क्वीरा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा से वंचित लोग विवि के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। विवि के शिक्षक डा. कमल देवलाल और डा. श्याम सिंह कुंजवाल ने भी एसएसजे के छात्र छात्राओं को विवि द्वारा चलाए जा रहे कोर्सों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के निर्देशन में दूरस्थ शिक्षा को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यशाला के बाद विवि की टीम लाल बहादुर शास्त्री प्रशिक्षण संस्थान समेत अनेक संस्थानों में जाकर युवाओं को विवि के कोर्सों के बारे में जानकारी दी।